

जियें सनेही साहिब प्यारा ।

आनन्द कन्द जगत उज्यारा ॥

दीन दरिद दुखभंजन स्वामी उवठर दानी अन्तरयामी

हाल जा महिरम हीणनि हामी जीवन साथी जीय जियारा ॥

प्रेम भगति जो रसु बरिसाए कथा सुधा जो स्वादु चखाए

जदनि जीवन खां नामु जपाए केतिरा पापी पारि उतारा ॥

नंढिड़ेई नाथ सां जोड़ियुइ नातो प्रेम जे पन्थ में पेरु तो पातो

सतिगुरु साहिबु सत्य सुजातो प्रेम जा माणियां अजबु निज़ारा ॥

सुख सागर सुखवास बिहारी मधुर विनोदी अचल अवितारी

रूपु रसीलो नैन खुमारी गाई राघव चरित्र उदारा ॥

जगमंगल सदां जुवाणी माणीं सतिगुरु सचिड़ो थींदुव साणीं

अमृत खां तुहिंजी मिठी वाणी प्रेमियुनि खे सदां पालण वारा ॥

सिय रघुवीर अमल अनुरागी सुख जा सागर नितु वदभागी

रोई रीझांई जानिब जागी रसनिधि रहबर रस आगारा ॥

कमल खां कोमल करुणा सिन्धू सत्य सरोवर आरति बन्धू

सतिगुर साहिब पूरणु इन्दू सुख देवलि जा सुवन सुकुमारा ॥